(1)

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No. 2022-23

Sr. No. of Question Paper : 798 **B**

Unique Paper Code : 12131201

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Prose)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Core, LOCF**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. **All** questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

भाग – क / Part – A

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए : (5×2=10)

Translate any **two** of the following :

(क) उद्दामदर्पश्वयथुस्थगितश्रवणविवराश्चोपदिश्यमानमपि ते न शृण्वन्ति, शृण्वन्तोऽपि च गजनिमीलितेनावधीरयन्तः खेदयन्ति हितोपदेशदायिनो गुरून् ।

(ख) गुरुवचनममलमपि सलिलमिव महदुपजनयति श्रवणस्थितं शूलमभव्यस्य । इतरस्य तु करिण इव शङ्खाभरणमाननशोभासमुदयमधिकतरम् उपजनयति ।

(ग) हरति च सकलमतिमलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषसमयनिशाकर इव गुरूपदेशः । प्रशमहेतुर्वयः परिणामिव पलितरुपेण शिरसिज-जालममलीकुर्वन गुणरूपेण तदेव परिणमयति ।

(घ) इयं हि सुभटखड्गमण्डलोत्पलवनविभ्रमभ्रमरी लक्ष्मीः क्षीरसागरात्पारि-जातपल्लवेभ्यो रागम् इन्दुशकलादेकान्तवक्रताम् उच्चैः श्रवसश्चंचलतां कालकूटान्मोहशक्ति मदिरायाः मदं कौस्तुभमणेर्नैष्ठुर्यम् इत्येतानि सहवासपरिचयवशात् विरहविनोदचिह्नानि गृहीत्वैवोद्गता । न ह्येवंविधमपरिचितमिह जगति किंचिदस्ति यथेयमनार्या । लब्धापि खलु दुःखेन परिपाल्यते ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(5×2=10)

Explain with reference to the context of any **two** of the following :

(क) लतेव विटपकानध्यारोहति । गंगेव वसुजनन्यपि तरङ्गबुदबुदचञ्चला ।

(ख) गन्धर्वनगरलेखा इव पश्यत एव नश्यति ।

(ग) कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यम् अपरम् ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम्

(घ) सकलमतिमलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषसमयनिशाकर इव गुरूपदेश:

3. "वाणी बाणो बभूव" इस उक्ति के आधर पर बाणभट्ट की गद्यशैली पर विस्तृत निबन्ध लिखिए । (10)

Write a detail essay on prose style of Banabhatta on the basis of "वाणी बाणो बभूव" ।

(अथवा) Or

शुकनासोपदेश के आधार पर गुरू के उपदेश का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए ।

Explain the importance of teachings of Guru according to *shuknasopdesha.*

भाग – ख / Part – B

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए : (5×2=10)

Translate any **two** of the following :

(क) देव! मयापि परिभ्रमता विन्ध्याटव्यां कोऽपि कुमारः क्षुधा तृषा च क्लिश्यन्नक्लेशार्हः क्वचित्कूपाध्याशे अष्टवर्षदेशीय दृष्टः । स च त्रासगद्गदमागत् महाभाग, क्लिष्टस्य मे क्रियतामार्य सहाय्यकम् । अस्य मे प्राणहारिणीं <u>पिपासां</u> प्रतिकर्तुमुदकमुदञ्चन्निह कूपे कोऽपि निष्कलो ममैकशरणभूतः <u>पतितः</u> ।

(ख) चित्तज्ञाननुवर्तिनोऽनर्थ्या अपि प्रियाः स्युः । दक्षिणा अपि तदभावबहिष्कृता द्वेष्यां भवेयुः इति । तथापि का गतिः । अविनीतोऽपि न <u>परित्याज्यः</u> पितृपैतामहैरस्मादृशैदयमधिपतिः । अपरित्यजन्तोऽपि कमुपकार-मभ्रूयमाणवचः सर्वथा नयज्ञस्य वसन्त्भानोरश्मकेन्द्रस्य हस्ते राज्यमिदं पतितम् ।

(ग) येप्युदिशन्ति एव<u>मिन्द्रियाणि</u> जेतव्यानि एवमरिषड्वर्गसत्याजयः सामादिरुपायवर्गः स्वेषु परेषु चाजस्रं प्रयोज्य । सन्धिविग्रहचिन्तयैव नेयः कालः स्वल्पोऽपि सुखस्यावकाशो न देयः ।

(घ) आगमदीपदृष्टेन खल्वध्वना सुखेन वर्तते लोकयात्रा। दिव्यं हि चक्षुर्भुतभवद्भविष्यत्सु व्यवहितविप्रदृष्टादिषु च विषयेषु शास्त्रं नामाप्रतिहतवृत्तिः। तेन हीनः सतोरप्यायतविशालयोर्लोचनयोरन्धः एव जन्तुरर्थदर्शनेष्वसामर्थ्यात्। अतो विहाय बाह्यविद्यास्वभिषङ्गमागमय दण्डनीतिं कुलविद्याम्।

5. "दण्डिनः पदलालित्यम्" उक्ति का आशय स्पष्ट करते हुए महाकवि दण्डि की काव्यशैली पर निबन्ध लिखें। (11)

Discuss the meaning of "दण्डिनः पदलालित्यम्" and write an essay on poetic style of Dandin.

(अथवा) Or

विश्रुतचरितम् के अनुसार राजाओं की दिनचर्या का वर्णन कीजिए।

Explain the day by day activities of kings according to *Visrutcharitam.*

6. प्रश्न संख्या 1,2,4 के किन्हीं **पांच** रेखांकित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी कीजिए। (5)

Write Grammatical notes in any **five** underlined words in given 1, 2, and 4.

भाग – ग / Part – C

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये : (3×3=9)

Write short notes on any **three** of the following :

बाणभट्ट, दण्डी, अम्बिकादत्त व्यास, कथा, आख्यायिका

(अथवा) Or

संस्कृत गद्य साहित्य की उत्पत्ति और विकास का विवेचन कीजिए।

Describe the origin and development of Sanskrit prose literature.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिये : (5×2=10)

Write notes on any **two** of the following :

शुकसप्तति, पंचतन्त्र, हितोपदेश, वेतालपञ्चविंशतिका

(२)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No. २०२२-23

Sr. No. of Question Paper : 817 **B**

Unique Paper Code : 12131202

Name of the Paper : Self-Management in Gita

Name of the Course : **B.A. (Hon.) CORE, LOCF**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5×7=35)

Explain the following :

(क) श्रोत्रं चक्षुः स्पर्शनं च रसनं घ्राणमेव च।

अधिष्ठाय मनश्चायं विषयानुपसेवते ।।

अथवा

इन्द्रियाणि पराण्याहुरिन्द्रियेभ्यः परं मनः।

मनसस्तु परा बुद्धिर्यो बुद्धेः परतस्तु सः ।।

(ख) तत्र सत्त्वं निर्मलत्वात्प्रकाशकमनामयम्।

सुखसङ्गेन बध्नाति ज्ञानसङ्गेन चानघ ।।

अथवा

सत्त्वं सुखे सञ्जयति रजः कर्मणि भारत।

ज्ञानमावृत्य तु तमः प्रमादे सञ्जयत्युत ।।

(ग) यततो ह्यपि कौन्तेय पुरुषस्य विपश्चितः।

इन्द्रियाणि प्रमाथीनि हरन्ति प्रसभं मनः ।।

अथवा

इन्द्रियाणां हि चरतां यन्मनोऽनुविधीयते ।

तदस्य हरति प्रज्ञां वायुर्नावमिवाम्भसि ।।

(घ) असंशयं महाबाहो मनो दुर्निग्रहं चलम् ।

अभ्यासेन तु कौन्तेय वैराग्येण च गृह्यते ।।

अथवा

नियतं कुरु कर्म त्वं कर्म ज्यायो ह्यकर्मण: ।

शरीरयात्रापि च ते न प्रसिद्ध्येदकर्मण: ।।

(ङ) सक्ता: कर्मण्यविद्वांसो यथा कुर्वन्ति भारत ।

कुर्याद्विद्वांस्तथासक्तश्चिकीर्षुर्लोकसङ्ग्रहम् ।।

अथवा

कार्पण्यदोषोपहतस्वभाव:

पृच्छामि त्वां धर्मसम्मूढचेता: ।

यच्छ्रेय: स्यान्निश्चितं ब्रूहि तन्मे

शिष्यस्तेऽहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम् ।।

2. भगवद्गीता के अनुसार आत्म-प्रबन्धन के स्वरूप पर एक लेख लिखिए । (11)

Write an essay on the nature of self-management according to Bhagavad Gita.

OR / अथवा

इन्द्रिय, मन, बुद्धि और आत्मा का श्रेष्ठता का क्रम उदाहरण सहित समझाइए ।

Describe the hierarchy of *Indriya*, *Mana*, *Buddhi* and *Atman* with examples.

3. सात्त्विक, राजसिक एवं तामसिक आहार की विशेषताओं का वर्णन कीजिए । (11)

Describe the characteristics of *Sattvika*, *Rajsika* and *Tamsika* diet.

OR / अथवा

भगवद्गीता के अनुसार हम एक सन्तुलित जीवन किस प्रकार जी सकते हैं?

How can we live a balanced life according to Bhagavad Gita?

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : (3×6=18)

(i) ध्यान लगाने की प्रक्रिया (Procedure of Meditation)

(ii) त्रिविध बुद्धि (Threefold Intellect)

(iii) भक्तियोग (Devotion Yoga)

(iv) मानसिक द्वन्द्व (Mental Conflict)

(v) समत्व बुद्धि (Equanimity Yoga)

(1000)

[This question paper contains 8 printed pages.]

2022

(3) **Your Roll No.** 2023

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 3693

Unique Paper Code : 12131201

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Prose)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Sanskrit**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. **All** Questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

भाग - (क)

(Section A)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए - (5×2=10)

Translate any **two** of the following

(क) अशिशिरोपचारहार्योऽतितीव्रो दर्पदाहज्वरोष्मा। सततममूलमन्त्रगम्यो विषमो विषयविषास्वादमोहः। नित्यमस्नानशौचबाध्यो बलवान् रागमलावलेपः।

(ख) गर्भेश्वरत्वमभिनवयौवनत्वमप्रतिमरूपत्वममानुषशक्तित्वञ्चेति महतीयं खल्वनर्थपरम्परा। सर्वाविनयानामेकैकमप्येषामायतनम्, किमुत समवायः।

(ग) उद्दामदर्पश्वयथुस्थगितश्रवणविवराश्चोपदिश्यमानमपि ते न शृण्वन्ति, शृण्वन्तोऽपि च गजनिमीलितेनावधीरयन्तः खेदयन्ति हितोपदेशदायिनो गुरून्।

(घ) आलोकयतु तावत् कल्याणाभिनिवेशी लक्ष्मीमेव प्रथमम् । इयं हि सुभटखड्गमण्डलोत्पलवन-विभ्रमभ्रमरी लक्ष्मीः क्षीरसागरात् पारिजातपल्लवेभ्यो रागम, इन्दुशकलादेकान्तवक्रताम्, उच्चैःश्रवसश्चञ्चलताम्, कालकूटान्मोहनशक्तिम्, मदिराया मदम्, कौस्तुभमणेरतिनैष्ठुर्यम् इत्येतानि सहवासपरिचयवशाद्विरह-विनोदचिह्नानि गृहीत्वैवोद्गता।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए - (5×2=10)

Explain any **two** of the following :

(क) अपगतमले हि मनसि स्फटिकमणाविव रजनिकरगभस्तयो विशन्ति सुखेनोपदेशगुणाः ।

(ख) यौवनारम्भे च प्रायः शास्त्रजलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः।

(ग) कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यम् अपरम् ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम्।

(घ) गन्धर्वनगरलेखा इव पश्यत एवं नश्यति।

3. शुकनासोपदेश के आधार पर लक्ष्मी के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

(10)

Describe the characteristics of Lakshmi on the basis of शुकनासोपदेश.

अथवा / OR

"बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्" पर विस्तृत निबध लिखिए।

Write an essay on the statement "बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वम्".

भाग – (ख)

(Section B)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** का अनुवाद कीजिए – (5×2=10)

Translate any **two** of the following :

(क) चित्तज्ञानानुवर्तिनोऽनर्थ्या अपि प्रियाः स्युः। दक्षिणा अपि तद्भाववहिष्कृता द्वेष्या भवेयुः इति । तथापि का गतिः । अविनीतोऽपि न परित्याज्यः पितृपैतामहैरस्मादृशैरयमधिपतिः । अपरित्यजन्तोऽपि कमुपकारम-श्रूयमाणवचः सर्वथा नयज्ञस्य वसन्तभानोरश्मकेन्द्रस्य हस्ते राज्यमिदं पतितम् ।

(ख) आगमदीपदृष्टेन खल्वध्वना सुखेन वर्तते लोकयात्रा । दिव्यं हि चक्षुर्भूतभवद्भविष्यत्सु व्यवहितविप्रदृष्टदादिषु च विषयेषु शास्त्रं नामाप्रतिहतवृत्तिः। तेन हीनः सतोरप्यायतविशालयोर्लोचनयोरन्ध एव जनतुरर्थदर्शनेष्वसामर्थ्यात् । अतो विहाय बाह्यविद्यास्यभिषङ्गमागमय दण्डनीतिं कुलविद्याम् । तदर्थानुष्ठानेन चावर्जितशक्तिसिद्धिरस्खलित-शासनः शाधि चिरमुदधिमेखलामुर्वीम् इति ।

(ग) अधिगतशास्त्रेण चादावेव पुत्रदारमपि न विश्वास्यम् । आत्मकुक्षेरपि कृते तण्डुलैरियद्भिर्धरियानोदनः संपद्यते । इयत ओदनस्य पाकायैतावदिन्धनं पर्याप्तमिति मानोन्मानपूर्वकं देयम् । उत्थितेन च राज्ञा क्षालिताक्षालिते मुखे मुष्टिमर्धममुष्टिं वाऽभ्यन्तरीकृत्य कृत्स्नमायव्ययजातमहः प्रथमेऽष्टमे वा भागे श्रोतव्यम् ।

(घ) देव, दैवानुग्रहेण यदि कश्चिद् भाजनं भवति विभूतेः, तमकस्मादुच्चावचौरपप्रलोभनैः कदर्थयन्तः स्वार्थं साधयन्ति धूर्ता। तथाहि। केचित्प्रेत्य किल लभ्यैरभ्युदयातिशयैराशामुत्पाद्य, मुण्डयित्वा शिरः, बद्ध्वा दर्भरज्जुभिः, अजिनेनाच्छाद्य, नवनीतेनोपलिप्य, अनशनं च शाययित्वा, सर्वस्य स्वीकरिष्यन्ति।

5. "दण्डिनः पदलालित्यम्" पर विस्तृत निबन्ध लिखिए। (10)

Write an essay on "दण्डिनः पदलालित्यम्".

अथवा / OR

विश्रुतचरितम् का सार अपने शब्दों मे लिखिए।

Write in your own words the summary of Vishrutacharitam.

6. प्रश्न संख्या 1, 2 एवं 4 में रेखांकित पदों में से किन्ही **पाँच** पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। (5)

Write grammatical notes on any **five** of the underlined words in Question No. 1, 2 and 4.

भाग – (ग)

(Section C)

7. संस्कृत गद्यकाव्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए। (10)

Throw light on the origin and development of Sanskrit prose.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्ही **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following :

कादम्बरी, आख्यायिका, वासवदत्ता, बाणभट्ट

8. संस्कृत साहित्य के आधार पर गद्यकाव्य का वर्णन कीजिए। (10)

Describe the 'Gadyakavya' on the basis of Sanskrit literature.

अथवा / **OR**

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

Write short notes on any **two** of the following :

पञ्चतन्त्र, पुरुषपरीक्षा, शुकसप्तति, वेतालपञ्चविंशतिका ।

[This question paper contains 4 printed pages.]

2022

(4) Your Roll No. 2023

Bandhu College Library Kalkaji, New Delhi

Sr. No. of Question Paper : 3844 E

Unique Paper Code : 12131202

Name of the Paper : Self-Management in Gita

Name of the Course : **B.A. (Hon.) CORE, LOCF**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1 निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5×7=35)

Explain the following :

(i) ममैवांशो जीवलोके जीवभूतः सनातनः ।
मनः षष्ठानीन्द्रियाणि प्रकृतिस्थानि कर्षति ।।

अथवा

Or

श्रोत्रं चक्षुः स्पर्शनं च रसनं घ्राणमेव च ।
अधिष्ठाय मनश्चायं विषयानुपसेवते ।।

(ii) सत्त्वं रजस्तम इति गुणाः प्रकृतिसम्भवाः ।
निबध्नन्ति महाबाहो देहे देहिनमव्ययम् ।।

अथवा

Or

रजो रागात्मकं विद्धि तृष्णासङ्गसमुद्भवम् ।
तन्निबध्नाति कौन्तेय कर्मसङ्गेन देहिनम् ।।

(iii) काम एष क्रोध एष रजोगुणसमुद्भवः ।
महाशनो महापाप्मा विद्धयेनमिह वैरिणम् ।।

अथवा

Or

क्लैब्यं मा सम गम: पार्थ नैतत्त्वय्युपपद्यते ।

क्षुद्रं हृदयदौर्बल्यं त्यक्त्वोत्तिष्ठ परन्तप ।।

(iv) प्रशान्तात्मा विगतभीर्ब्रह्मचारिव्रते स्थित: ।

मन: संयम्य मच्चित्तो युक्त आसीत मत्पर: ।।

अथवा

Or

नियतं कुरु कर्म त्वं कर्म ज्यायो ह्यकर्मण: ।

शरीरयात्रापि च ते न प्रसिद्धयेदकर्मण: ।।

(v) योगस्थ: कुरु कर्माणि सङ्गं त्यक्त्वा धनञ्जय ।

सिद्ध्यसिद्धयो: समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते ।।

अथवा

Or

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।

मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ।।

2. भगवद्गीता के अनुसार आत्म-प्रबन्धन पर निबंध लिखिए । (11)

Write an essay on Self-Management according to *Bhagavad Gita*.

अथवा

Or

भगवद्गीता के अनुसार ध्यान लगाने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

Describe the Procedure of Meditation according to *Bhagavad Gita.*

3. भगवद्गीता के अनुसार त्रिविध आहार का वर्णन कीजिए। (11)

Describe threefold diet according to *Bhagavad Gita.*

अथवा

Or

आदर्श भक्त के लक्षण बताइए।

Describe the characteristics of an Ideal Devotee?

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए, जिनमें से एक संस्कृत भाषा में होनी चाहिए। (3×6=18)

Write short notes on any **three** of the following, in which one Should be in **Sanskrit Language**

(i) त्रिविध तप (Three fold *Tapas)*

(ii) राजसी बुद्धि *(Rajsi Budhhi)*

(iii) सन्तुलित जीवन (Balanced life)

(iv) मानसिक द्वन्द्र के कारण (Causes of Mental Conflict)

(v) मन *(Mana)*

[This question paper contains 8 printed pages.] 2022

(5) Your Roll No. JULY 2023

F

Sr. No. of Question Paper : 1316

Unique Paper Code : 2132101201

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Prose)

Name of the Course : UGCF, BA (H)

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

१ निम्नलिखित में से किसी चार का अनुवाद कीजिए : (4×5=20)

Translate any **four** of the following :

(i) एवं समतिक्रामत्सु केषुचिद दिवसेषु राजा चन्द्रापीडस्य यौवराज्याभिषेकं चिकीर्षुः प्रतीहारानुपकरणसंभारसंग्रहार्थमादिदेश। समुपस्थितयौव-राज्याभिषेकं च त कदाचिद् दर्शनार्थमागतमारूढविनयमपि विनीत-तरमिच्छञ्शुकनासः सविस्तरमुवाच। तात चन्द्रापीड! विदितवेदितव्यस्याधीतसर्वशास्त्रस्यते नाल्पमप्युपदेष्टव्यमस्तिष।

(ii) अशिशिरोपचारहार्योऽवतितीव्रो दर्पदाहज्वरोष्मा। सततममूलमन्त्रशम्यो विषयो विषयविषास्वादमोहः। नित्यमस्नानशौचवध्यो बलवान् रागमलावलेपः। अजस्त्रमक्षपावसानप्रबोधा घोरा च राज्यसुखसन्निपात-निद्रा भवतीति विस्तरेणाभिधीयसे। गर्भश्वरत्वमभिनवयौवनत्वमप्रतिम-रूपत्वममानुषशक्तित्वंचेति महतीयं खल्वनर्थपरम्परा।

(iii) तस्मिन् पूज्यमाने, "योगिराडुत्थितः" इति, "आगतः" इति च आकर्ण्य कर्णपरम्परया बहवो जनाः परितः स्थिताः। सुघटितं शरीरम्, सान्द्रां जटाम्, विशालान्यङ्गानि अङ्गारप्रतिमे नयने, मधुरां गम्भीरां च वाचवर्णयन्तश्चकिता इव सञ्जाताः।

(iv) अरुणएषप्रकाशः पूर्वस्यांभगवतोमरीचिमालिनः। एषभगवान्मणिराकाश-मण्डलस्य, चक्रवर्तीखेचरचक्रस्य, कुण्डल-मारवण्डलदिशः, दीपकोब्रह्माण्डभाण्डस्य, प्रेयान्पुण्डरीकपटलस्य, शोक-विमोकः कोक-लोकस्य, अवलम्बोरोलम्बकदम्बस्य, सूत्रधारः सर्वव्यवहारस्य, इनश्चदिनस्य।

(v) 'तात, क एव बालः को वा भवान्, कथं चेयमापदापन्ना' इति। सोऽश्रु-गद्‌गदमगदत्-श्रूयतां महाभाग! विदर्भो नाम जनपदः। तस्मिन् भोज-वंशभूषणम्, अंशावतार इव धर्मस्य, अतिसत्त्वः, सत्यवादी, वदान्यः, विनीत, विनेता प्रजानाम्, रञ्जितभृत्यः, कीर्तिमान्, उत्थानशीलः, शास्त्रप्रमाणः, शक्यभव्य-कल्पारम्पी संभावयिता बुधान्, प्रभावयिता सेवकान्, उद्भावयिता बन्धून्, न्यग्भावयिता शत्रून्—।

(vi) एतदाकर्ण्य 'स्थानएवगुरुभिरनुशिष्टम्। तथाक्रियते' इत्यन्तः पुरमविशत्। तां च वार्तां पार्थिवेनप्रमदासंनिधौप्रसङ्गेनोदीरितामुप-निशम्यसमीपोपविष्टश्चित्तानुवृत्तिकुशलः, प्रसादवित्तो गीतनृत्यवाद्या-

दिष्वबाह्योबाह्यागारीपरायणः, पटुरयन्त्रितमुखो, बहुभङ्गिविशारदः, परिवादरुचिः, पैशुन्यपण्डितः, सचिवमण्डलादप्युत्कोचहारी, सकलदुर्नयोपाध्यायः, कामतलन्त्रकर्णधारः, कुमारसेवकोविहारभद्रो-नामस्मितपूर्व व्यज्ञापयत् ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(2×6=12)

Explain any two of the following with reference to the context :

(i) तत्क्षणमेव च "कुत इदम्? किमिदमिति दृश्यतां ज्ञायताम्" इत्यादिश्य छात्रेषु विसृष्टेपु, क्षणानन्तरं छात्रेणैकेन भयभीता सवेगमत्युष्णं दीर्घं निःश्वसती, मृगीव व्याघ्राऽऽघ्राता, अश्रुप्रवाहैः स्नाता, सवेपथुः कन्यकैका अङ्के निधाय समानीता। चिरान्वेषणेनापि च तस्याः सहचरी सहचरो वा न प्राप्तः ।

(ii) इन्द्रियहरिणहारिणी च सततमतिदुरन्तेयमुपभोगमृगतृष्णिका । नवयौवनकषायितात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाण्या-स्वाद्यमानानि मधुरतराण्यापतन्ति मनसः । नाशयति च दिङ्मोह इवोन्मार्गप्रवर्तकः पुरुषमत्यासङ्गो विषयेषु । भवादृशा एव भवन्ति भाजनान्युपदेशानाम् ।

(iii) अभिजातमहिमिव लङ्घयति । शूरं कण्टकमिव परिहरति । दातारं दुःस्वप्नम् इव न स्मरति । विनीतंपातकिनमिवनोपसर्पति । मनस्विनमुन्मत्तमिवोपहसति । परस्परविरुद्धश्चेन्द्रजालमिवदर्शयन्तीप्रकटयतिजगतिनिजंचरितम् । तथाहि – सततम् ऊष्माणम् आरोपयन्त्यपि जाड्यमुपजनयति ।

(iv) दिव्यं हि चनक्षुर्भूतभवद्भविष्यत्सु व्यवहितविप्रकृष्टादिषु च विषयेषु शास्त्रं नामाप्रतिहतवृत्तिः । तेन हीनः सतोरप्यायतविशालयोर्लोचनयोरन्ध एव जन्तुरर्थदर्शनेषवसामर्थ्यात् । अतो विहाय बाह्यविद्यास्वभिषङ्गमागमय दण्डनीतिं कुलविद्याम् । तदर्थानुष्ठानेन चावर्जितशक्तिसिद्धिरस्खलित – शासनः शाधि चिरमुदधिमेखलामुर्वीम् इति ।

3. बाणभट्ट के जीवन और उनकी कृतियों का वर्णन कीजिए । (11)

Describe the life and works of Banbhatta.

अथवा / OR

शुकनासोपदेश के आधार पर गुरूपदेश के महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

Highlight the significance of Guru-Updesha on the basis of Shuknasopadesha.

4. शिवराजविजय एक ऐतिहासिक उपन्यास है सिद्ध कीजिए। (11)

Prove that Shivrajavijaya is a historical novel.

अथवा / OR

शिवराजविजय के प्रथम निःश्वास के आधार पर गौरबटु एवं श्यामबटु के स्वरूप एवं उनके मध्य होनेवाले संवाद का वर्णन कीजिए।

Describe the character of Gaurbatu and Shyambatu and the dialogue between them on the basis of First canto of Shivrajavijaya.

5. दण्डीकी गद्य शैली की विवेचना कीजिए। (11)

Describe Dandi's Prose style.

अथवा / OR

विश्रुतचरितम् के आधार पर राजा की दिनचर्या का वर्णन कीजिए।

Describe the routine of the king on the basis of Vishrutcharitam.

6. प्रश्न संख्या 1 तथा 2 के किन्हीं पाँच रेखांकित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। (1×5=5)

Write grammatical note on any five of the underlined words in question 1 and 2.

7. संस्कृत गद्यकाव्य के उद्भव व विकास पर प्रकाश डालिए। (10)

Enlighten onthe origin and development of Sanskrit Prose Literature.

अथवा / OR

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :

Write notes on any two of the following :

शुकसप्तति, हितोपदेश, तिलकमंजरी, वासवदत्ता।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए जिनमें से एक संस्कृत में होनी चाहिए : (2×5=10)

Write notes on any two of the following, one of which should be in Sanskrit :

वाडवानल, क्षीरसागर, गन्धर्वनगरलेखा, भगवान् सूर्य, युगभेद ।

[This question paper contains 4 printed pages.] 2022

(6) Your Roll No. JULY 2023

Sr. No. of Question Paper : 1339 **F**

Unique Paper Code : 2132101202

Name of the Paper : Sanskrit Epics

Name of the Course : **B.A. (H) Sanskrit**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. रामायणकालीन समाज एक आदर्श समाज था - समीक्षा कीजिए। (15)

The Society of the Ramayana age was an ideal society.

अथवा / OR

रामायणाधारित प्रमुख संस्कृत महाकाव्यों का परिचय दीजिये।

Give an introduction of important Sanskrit epics based on the Ramayana.

2. भारतीय ज्ञानपरम्परा में महाभारत का स्थान निर्धारित कीजिए। (15)

Discuss the position of the Mahabharata in Indian Knowledge Tradition.

अथवा / OR

महाभारत में वर्णित जीवनपरक मूल्यों का निरूपण कीजिए।

Analyses the life related values as described in the Mahabharata.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिये : (2×6=12)

Translate any **two** of the following :

(i) अच्छेद्योऽयमदाह्योऽमक्लेद्योऽशोष्य एव च।
नित्यः सर्वगतः स्थाणुरचलोऽयं सनातनः ।।

(ii) न जायते म्रियते वा कदाचिन्नायं भूत्वाभविता वा न भूयः ।
अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे ॥

(iii) सत्यमेवानृशंसं च राजवृत्तं सनातनम् ।
तस्मात्सत्यात्मकं राज्यं सत्ये लोकः प्रतिष्ठितः ॥

(iv) सत्यमेवेश्वरो लोके सत्यं पद्मा श्रिता सदा ।
सत्यमूलानि सर्वाणि सत्यान्नास्ति परं पदम् ॥

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(2×9=18)

Explain with reference to the context of any **two** of the following :

(i) मात्रास्पर्शास्तु कौन्तेय शीतोष्णसुखदुःखदाः ।
आगमापायिनोऽनित्यास्तांस्तितिक्षस्व भारत ॥

(ii) अविनाशि तु तद्विद्धि येन सर्वमिदं ततम् ।
विनाशमव्ययस्यास्य न कश्चित्कर्तुमर्हति ॥

(iii) कुलीनमकुलीनं वा वीरं पुरुषमानिनाम् ।
चारित्रमेव व्याख्याति शुचिं वा यदि वाऽशुचिम् ॥

(iv) भूमिः कीर्तिर्यशो लक्ष्मीः पुरुषं प्रार्थयन्ति हि ।
स्वर्गस्थं चानुपश्यन्ति सत्यमेव भजेत तत् ॥

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (3×5=15)

Write notes of any **three** of the following :

(i) अद्भुत रामायण

(Adbhuta Ramayana)

(ii) अध्यात्म रामायण

(AdhyatmaRamayana)

(iii) रामायणकालीन शासन व्यवस्था

(Administrative system in the Ramayana Period)

(iv) महाभारताधारित संस्कृत महाकाव्य

(Sanskrit Epics based on the Mahabharata)

(v) गीता

(Gita)

(vi) महाभारताधारित भारतीय भाषाओं का साहित्य

(Literature of Indian Language based on the Mahabharata)

[This question paper contains 4 printed pages.] 2022

7 Your Roll No. JULY 2023

Sr. No. of Question Paper : 1364 **F**

Unique Paper Code : 2132101203

Name of the Paper : Critical Survey of Śāstric Literature

Name of the Course : **BA (H.)**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

3. Answer any **five** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

1. भारतीय व्याकरण शास्त्र के उद्भव और विकास पर निबन्ध लिखें । (15)

   Write an Essay on origin and development of Indian grammar.

2. भारतीय रसायन-शास्त्र के उद्भव और विकास को स्पष्ट करें । (15)

   Explain the origin and development of Indian Chemistry.

3. भारतीय मूर्तिकला के इतिहास को स्पष्ट कीजिये । (15)

   Explain the history of Indian iconography.

4. भारतीय चिकित्सा-शास्त्र के इतिहास को स्पष्ट कीजिए। (15)

Explain the History of Indian medicine system.

5. भारतीय ज्ञान परम्परा में कोश-शास्त्र के महत्त्व को दर्शाते हुए आलोचनात्मक सर्वेक्षण करें। (15)

Make a critical survey of Dictionary Emphathising its importance in Indian knowledge system.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी कीजिए (15)

Right a short notes on any **three** of the following :

(i) आचार्य सुश्रुत

Acharya-sushrut

(ii) कणाद

Kanaad

(iii) यास्क

Yaask

(iv) छंद-शास्त्र

Meter

[This question paper contains 6 printed pages.]

(12) Your Roll No. 2022-23

Sr. No. of Question Paper : 3148 **A**

Unique Paper Code : 12131201

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature (Prose)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Core, LOCF**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. All questions are compulsory.

Des... College Library
Kalkaji, New Delhi-19

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

3. सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

भाग – क / Part – A

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए : (5×2=10)

Translate any **two** of the following :

(क) उद्दामदर्पश्वयथुस्थगितश्रवणविवराश्चोपदिश्यमानमपि ते न शृण्वन्ति, शृण्वन्तोऽपि च गजनिमीलितेनावधीरयन्तः खेदयन्ति हितोपदेशदायिनो गुरून् ।

(ख) गुरुवचनममलमपि सलिलमिव महदुपजनयति श्रवणस्थितं शूलमभव्यस्य । इतरस्य तु करिण इव शङ्खाभरणमाननशोभासमुदयमधिकतरम् उपजनयति ।

(ग) हरति च सकलमतिमलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषसमयनिशाकर इव गुरूपदेशः । प्रशमहेतुर्वयः परिणामिव पलितरूपेण शिरसिजजालम-मलीकुर्वन् गुणरूपेण तदेव परिणमयति ।

(घ) इयं हि सुभटखड्गमण्डलोत्पलवनविभ्रमभ्रमरी लक्ष्मीः क्षीरसागरात्पा-रिजातपल्लवेभ्यो रागम् इन्दुशकलादेकान्तवक्रताम् उच्चैः

...andhu College ...ary
Kalkaji, New Delhi-19

श्रवसश्चंचलतां कालकूटान्मोहशक्तिं मदिरायाः मदं कौस्तुभमणेरनैष्ठुर्यम् इत्येतानि सहवासपरिचयवशात् विरहविनोदचिह्नानि गृहीत्वैवोद्‌गता । न ह्येवंविधमपरिचितमिह जगति किंचिदस्ति यथेयमनार्या । लब्धापि खलु दुःखेन परिपाल्यते ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (5×2=10)

Explain with reference to the context of any **two** of the following :

(क) लतेव विटपकानध्यारोहति । गंगेव वसुजनन्यपि तरङ्गबुदबुदचञ्चला ।

(ख) गन्धर्वनगरलेखा इव पश्यत एव नश्यति ।

(ग) कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यम् अपरम् ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम्

(घ) सकलमतिमलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषममयनिशाकर इव गुरूपदेशः

3. "वाणी बाणों बभूव" इस उक्ति के आधर पर बाणभट्ट की गद्यशैली पर विस्तृत निबन्ध लिखिए । (10)

Write a detail essay on prose style of Banabhatta on the basis of "वाणी बाणों बभूव".

Deenbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi-19

(अथवा) / Or

शुकनासोपदेश के आधार पर गुरू के उपदेश का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

Explain the importance of teachings of Guru according to *shuknasopdesha.*

भाग – ख / Part – B

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए : (5×2=10)

Translate any **two** of the following :

(क) देव! मयापि परिभ्रमता विन्ध्याटव्यां कोऽपि कुमारः क्षुधा तृषा च क्लिश्यन्नक्लेशार्हः क्वचित्कूपाध्याशे अष्टवर्षदेशीय दृष्टः। स च त्रासगद्गदमागत् महाभाग, क्लिष्टस्य मे क्रियतामार्य सहाय्यकम्। अस्य मे प्राणहारिणीं <u>पिपासां</u> प्रतिकर्तुमुदकमुदञ्चन्निह कूपे कोऽपि निष्कलो ममैकशरणभूतः <u>पतितः</u>।

(ख) चित्तज्ञानानुवर्तिनोऽनर्घ्या अपि प्रियाः स्युः। दक्षिणा अपि तद्भावबहिष्कृता द्वेष्या भवेयुः इति। तथापि का गतिः। अविनीतोऽपि न <u>परित्याज्यः</u> पितृपैतामहैरस्मादृशैदयमधिपतिः। अपरित्यजन्तोऽपि कमुपकारम-श्रूयमाणवचः सर्वथा नयज्ञस्य वसन्तभानोरश्मकेन्द्रस्य हस्ते राज्यमिदं पतितम्।

Deshbandnu.College Libr
Kalkaji, New Delhi-19

(ग) येप्युदिशन्ति एवमिन्द्रियाणि जेतव्यानि एवमरिषड्वर्गस्त्याजय: सामादिरुपायवर्ग: स्वेषु परेषु चाजस्रं प्रयोज्य । सन्धिविग्रहचिन्तयैव नेय: काल: स्वल्पोऽपि सुखस्यावकाशो न देय: ।

(घ) आगमदीपदृष्टेन खल्वध्वना सुखेन वर्तते लोकयात्रा। दिव्यं हि चक्षुर्भुतभवद्भविष्यत्सु व्यवहितविप्रदृष्टादिषु च विषयेषु शास्त्रं नामाप्रतिहतवृत्तिः । तेन हीन: सतोरप्यायतविशालयोर्लोचनयोरन्ध: एव जन्तुरर्थदर्शनेष्वसामर्थ्यत् । अतो विहाय बाह्यविद्यास्वभिषङ्गमागमय दण्डनीतिं कुलविद्याम् ।

Kalkaji, New Delhi-19

5. "दण्डिन: पदलालित्यम्" उक्ति का आशय स्पष्ट करते हुए महाकवि दण्डि की काव्यशैली पर निबन्ध लिखें। (11)

Discuss the meaning of "दण्डिन: पदलालित्यम्" and write an essay on poetic style of Dandin.

(अथवा) / Or

विश्रुतचरितम् के अनुसार राजाओं की दिनचर्या का वर्णन कीजिए।

Explain the day by day activities of kings according to *Visrutcharitam*.

6. प्रश्त संख्या 1, 2, 4 के किन्हीं पाँच रेखांकित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी कीजिए। (5)

P.T.O.

Write Grammatical notes in any five underlined words in given 1, 2, and 4.

भाग – ग / Part – C

7. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये : (3×3=9)

Write short notes on any **three** of the following :

बाणभट्ट, दण्डी, अम्बिकादत्त व्यास, कथा, आख्यायिका

(अथवा) / Or

संस्कृत गद्य साहित्य की उत्पत्ति और विकास का विवेचन कीजिए

Describe the origin and development of Sanskrit prose literature.

Deshbandhu College Library
Kalkaji, New Delhi-19

8 निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिये : (5×2=10)

Write notes on any **two** of the following :

शुकसप्तति, पंचतन्त्र, हितोपदेश, वेतालपञ्चविंशतिका

(100)